



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 420] नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 3, 1988/श्रावण 12, 1910

No. 420] NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 3, 1988/SHRAVANA 12, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 3 अगस्त, 1988

सं. 238/88—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा.का.नि. 832(अ) :—केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उस पद्धति  
के अनुसार जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की  
धारा 3 के अन्तर्गत उत्पाद-शुल्क के उद्ग्रहण के सम्बन्ध में (जिसके अन्तर्गत उसका उद्ग्रहण  
न किया जाता भी है) साधारणतया प्रचलित थी, उत्पाद-शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क टैरिफ

अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की अनुसूची के अध्याय 27 के अन्तर्गत आने वाले और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 140 के उपनियम (2) के अधीन उस रूप में घोषित परिष्करणों में उत्पादित और पूर्वोक्त अनुसूची के अध्याय 29 के अन्तर्गत आने वाले बेन्जीन और टॉलूईन के विनिर्माण में उत्पादन की परिष्करणों के भीतर प्रयुक्त अपरिष्कृत नेफ्था पर 28 फरवरी, 1986 को प्रारम्भ होने वाली और 14 मई, 1986 को समाप्त होने वाली कालावधि के दौरान प्रथम वर्णित अधिनियम की उक्त धारा 3 के अधीन उद्ग्रहीत नहीं किया जा रहा था;

अतः अब के द्रोय सरकार प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 11-ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेशित करती है कि ऐसे अपरिष्कृत नेफ्था पर उक्त अधिनियम के अधीन सदेय सम्पूर्ण उत्पाद-शुल्क, यदि उक्त पद्धति न होती, ऐसे अपरिष्कृत नेफ्था के सम्बन्ध में जिस पर उक्त उत्पाद-शुल्क उक्त पद्धति के अनुसार पूर्वोक्त कालावधि के दौरान उद्ग्रहीत नहीं किया जा रहा था, संदत्त किए जाने के लिए अपेक्षित नहीं होगा।

[फा.सं. 83/4/87-सी. एक्स-3]

एस.सी. जाना, अवर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 3rd August, 1988

## NOTIFICATION

No. 238/88-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 832 (E) .—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on raw naphtha, falling within Chapter 27 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986) and produced in a refinery declared as such under sub-rule (2) of rule 140 of the Central Excise Rules, 1944 and used within the refinery of production in the manufacture of benzene and toluene, falling within Chapter 29 of the aforesaid Schedule, was not being levied under the said section 3 of the first-mentioned Act during the period commencing on the 28th day of February, 1986 and ending with the 14th day of May, 1986;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the first-mentioned Act, the Central Government hereby directs that the whole of the duty of excise payable under the said Act on such raw naphtha, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such raw naphtha, on which the said duty of excise was not being levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 83/4/87-CX. 5]

S. C. JANA, Under Secy.

